

कसो तज्यो रे लाडिला भइया रे मख सिंगाजी भजन



कसो तज्यो रे लाडिला,
भइया रे मख,
कसो तज्यो लाडिला,
मनरंग अपराध कैला,
भइया रे मख,
कसो तज्यो लाडिला।bd।

मारग म तुन दर्शन दीयो,
गुरुजी आये देश में,
भली सुनाई बात,
जब लग दर्शन ना भए,
तब लग निकसे न प्राण।
मारग म तुन दर्शन दीयो,
गाय भैंस संग मिला,
भइया रे मख,
कसो तज्यो लाडिला।bd।

मैं अपराधी कछु ना जान्यो,
पत्ता टूटा डाल से,
ले गई पवन उड़ाये,
अब के बिछड़े कब मिले,
दूर बसेंगे जाय।
मैं अपराधी कछु ना जान्यो,
कुड़ा वचन हम बोला,
भइया रे मख,
कसो तज्यो लाडिला।bd।

मूंदी परघनो नगर पिपल्यो,
जैसे तरुवर पात की,
कैसी इनकी प्रीत,
एक दिन तो बिछड़ना पड़ेगा,
ये है जग की रीत।
मूंदी परघनो नगर पिपल्यो,
नही मिलग असो चेला,
भइया रे मख,
कसो तज्यो लाडिला।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



सब देवन मे देव बड़ो है,
छोड़ी गयो रे अकेला,
भइया रे मख,
कसो तज्यो लाड़िला।bd।

कसो तज्यो रे लाड़िला,
भइया रे मख,
कसो तज्यो लाड़िला,
मनरंग अपराध कैला,
भइया रे मख,
कसो तज्यो लाड़िला।bd।

प्रेषक – प्रमोद पटेल ।
यूट्यूब पर – 1.निमाड़ी भजन संग्रह ।
2.प्रमोद पटेल सा रे गा मा पा
9399299349
